16. उपसर्ग व प्रत्यय

भाषा के लिए शब्द बहुत महत्त्वपूर्ण होते हैं। शब्दों के माध्यम से भाषा पुष्ट और समृद्ध बनती है। हिंदी भाषा में नए-नए शब्दों की रचना होती रहती है। शब्द-रचना की इस प्रक्रिया में कुछ शब्दांशों को किसी शब्द के आरंभ या अंत में जोड़कर नए शब्दों की रचना की जाती है। आरंभ में जुड़ने वाले शब्दांश उपसर्ग तथा अंत में जुड़ने वाले शब्दांश प्रत्यय कहलाते हैं।

शिक्षण-संकेत

- ❖ छात्रों से पूछें, वे उपसर्ग तथा प्रत्यय के बारे में कितना जानते हैं।
- ❖ पृष्ठ 106 पर दिए चित्र के वाक्यों में आए उपसर्ग युक्त शब्दों को समझाएँ।
- ❖ तदुपरांत पृष्ठ 106 पर दिए प्र, वि, सु उपसर्ग वाले शब्द लिखवाइए।
- ❖ उपसर्ग के भेदों से अवगत करवाएँ तथा पृष्ठ 107-108 पर दिए उपसर्ग युक्त शब्द समझाते हुए पढ़वाएँ।
- ❖ पृष्ठ 108 पर दिए उदाहरण वाक्यों को पढ़ें और उनमें आए रंगीन शब्दों पर छात्रों का ध्यान दिलाएँ। वे शब्द कैसे बने हैं, समझाएँ। बताएँ, ये प्रत्यय युक्त शब्द हैं।
- ❖ समझाएँ, कुछ शब्दांश शब्दों के आगे जुड़कर एक नया शब्द बनाते हैं। उन शब्दांशों को उपसर्ग कहते हैं। बताएँ, प्रत्येक उपसर्ग का अर्थ होता है।
- ❖ कुछ शब्दांश शब्दों के पीछे जुड़कर उनके अर्थ में परिवर्तन लाते हैं, वे प्रत्यय कहलाते हैं। बताएँ, प्रत्ययों का कोई अर्थ नहीं होता।
- ❖ पृष्ठ 108 पर दिए आन, आई, कार प्रत्ययों से शब्द बनवाएँ।
- ❖ प्रत्यय के भेदों के बारे में बताएँ।
- ❖ समझाएँ, क्रिया से बनने वाले प्रत्यय कृत् प्रत्यय होते हैं तथा संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि से बने प्रत्यय तद्धित प्रत्यय कहलाते हैं।
- ❖ पृष्ठ 109-110 पर दिए प्रत्यय युक्त शब्दों को पढ़वाएँ तथा अर्थ भी बताएँ।
- ❖ बताएँ, कुछ शब्दों में उपसर्ग और प्रत्यय दोनों का प्रयोग होता है।
- ❖ सुनिश्चित कर लें छात्र भली प्रकार उपसर्ग-प्रत्यय समझ गए हैं।
- ❖ 'अब तक हमने सीखा' के द्वारा पाठ की दोहराई करवा लें।